प्राक्कथन

‘‘भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां’’ नामक यह प्रकाशन बैंकों के कई मुख्य मानदंडों पर कणीय आंकडे प्रस्तुत करता है। मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां 1 और 2 (मू.सां.वि.1 और 2) द्वारा बैंकों की शाखाओं से जानकारी संग्रहित की गई है। मू.सां.वि.1 में ₹ 0.2 मिलियन से अधिक की ऋण सीमा वाले ऋण खातों के हर खातेवार आंकड़े तथा व्यवसाय के अनुसार ₹ 0.2 मिलियन तक के ऋण सीमा वाले ऋण खातों के समेकित आंकड़े शाखावार संग्रहित किये जाते हैं। मू.सां.वि. 2 में कर्मचारी, जमाराशियों के प्रकार और मीयादी जमाराशियों की परिपक्वता के स्वरुप आदि मानदंडों से संबंधित शाखावार आंकड़े संग्रहित किए जाते हैं। मू.सां.वि.1 और 2 के जरिए ये आंकड़े वर्ष 1972 से प्रतिवर्ष संग्रहित किये जा रहे हैं।

श्रृंखला के इस चालिसवे खंड में, 31 मार्च 2011 को अनुसूचित वाणिज्य बैंको की जमाराशियां और ऋण से संबंधित ब्योरेवार आंकडे प्रस्तुत किये गये हैं। इस खंड में 36 हजार से अधिक केन्द्रों पर फैले हुए लगभग 92 हजार शाखांओं के 120 मिलियन से अधिक ऋण खातों तथा 810 मिलियन जमाराशियों के खातों के आंकड़ों का समावेश किया गया है। यह प्रकाशन, अलग अलग आयामों, जैसे खातों का प्रकार, संगठन, ब्याज दर की सीमा तथा ऋण-सीमा आकार पर व्यवसाय के अनुसार ब्योरेवार ऋण के आंकडे प्रस्तुत करता है। इस में जनसंख्या समूह, बैंक समूह, और राज्य पर आधारित ऋणों के आंकडे तथा व्यवसाय के प्रकार के अनुसार सूचना भी प्रस्तुत की गई है। इस खंड की एक विशेषता यह है कि इसमें ऋण की मंजूरी और ऋण का उपयोग दोनों के स्थानिक वितरण का समावेश है।

इस प्रकाशन से संबंधित बृहद कार्य का उपक्रम भा.रि. बैं. के सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के बैंकिंग सांख्यिकी प्रभाग द्वारा किया गया है। इस प्रकाशन को प्रकाशित करने की प्रक्रिया शुरू करनेवाले मुख्य दल का नेतृत्व श्री. एस. बोस, निदेशक ने किया है जबकि श्री. एस. गंगाधरन, सहायक परामर्शदाता, श्री एस. सरकार, अनुसंधान अधिकारी तथा श्री. एस.ए. ऐवले और श्रीमती एस.एस. सुर्वे सहायक प्रबंधक अन्य सदस्यों के रूप में दल में सम्मिलित हैं।

इस दल को विशेष सहायक श्रीमती एस.एस. कुलकर्णी, श्रीमती आर. एस. बांदेल आदि का कुशल सहयोग मिला है। इस प्रभाग के अन्य सदस्यों का सहयोग भी सराहनीय रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था संबंधी डाटाबेस (डी.बी.आइ.ई) भारिबैं के आंकडा भंडार (आर.बी.आइ का डाटा वेअर हाऊस) के जरिए यह प्रकाशन प्रकाशित करने के लिए, आंकडा भंडारण प्रभाग (डाटा वेअरहाऊस डिविजन) की सहायता ली गयी है।

श्री ए.बी. चक्रवर्ती, प्रभारी परामर्शदाता और डॉ. गौतम चटर्जी, परामर्शदाता, ने सूचना के गुणवत्ता पर जोर देते हुए, इस अंक के प्रकाशन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन किया है। मेरा विश्वास है कि अपने पूर्ववर्ती खंडों की तरह यह खंड भारत में बैंकिंग क्षेत्र में सूचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनेगा।

दीपक मोहंती
कार्यपालक निदेशक